

प्रेषक,

अतर सिंह
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-4

देहरादून : दिनांक 31 मार्च, 2016

विषय - उत्तराखण्ड राज्य में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु भारत सरकार से अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष केन्द्रांश की धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-सेन्ट्रल शेयर पेमेंट/2013-14/142/46 दिनांक 15 मार्च, 2016 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 में भारत सरकार के शासनादेश संख्या S-12012/148/2015-RSBY दिनांक 12.01.2016 के माध्यम से उत्तराखण्ड राज्य हेतु अवमुक्त ₹ 10,19,66,160/- (₹ दस करोड़, उन्नीस लाख, छियासठ हजार, एक सौ साठ मात्र) की धनराशि को आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है। धनराशि का आहरण/व्यय संबंधित वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों, बजट मैनुएल के अन्तर्गत एवं भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
2. उक्त धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर ही किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में धनराशि का अनावश्यक व्यय कदापि न किया जाय।
3. उक्त प्रकरण से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना में पूर्ण धनराशि उपलब्ध न होने के कारण अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य -आयोजनागत मद के अन्तर्गत 0104-राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन0आर0एच0एम0 सहित) मद में उपलब्ध बजट प्राविधान के सापेक्ष शासनादेश संख्या-291/XXVIII-4/2016-61/201 दिनांक 30.03.2016 द्वारा ₹ 7,69,66,160/- (₹ सात करोड़, उनहत्तर लाख, छियासठ हजार, एक सौ साठ मात्र) की धनराशि की व्यवस्था पुनर्विनियोजन के माध्यम से की गयी है। अतः उक्त शासनादेश दिनांक 30.03.2016 में उल्लिखित शर्तों/प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
4. अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2016 तक करने के उपरान्त उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को निर्धारित समयान्तर्गत उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय तथा यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है, तो उसे नियमानुसार शासन को समर्पित किया जाय।

5. उक्त अवमुक्त की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि भारत सरकार के आदेशानुसार अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष पूर्व में कोई धनराशि तो अवमुक्त नहीं की गयी है अर्थात् दोहराव की स्थिति उत्पन्न न हो। यदि ऐसी कोई अनियमितता पायी जाती है तो इस हेतु महानिदेशक, चिकित्सा-स्वास्थ्य एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
6. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-06-लोक स्वास्थ्य-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0106-राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (25% राज्यांश) के अन्तर्गत 42-अन्य व्यय (आयोजनागत) के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 01.04.2015, शासनादेश संख्या-1080/XXVIII(1)/2015, दिनांक 08.09.2015 में दिये गये निर्देशानुसार तथा शासनादेश संख्या-291/XXVIII-4/2016-61/2012 T.C. दिनांक 31.03.2016 में दी गयी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- अलॉटमेंट आई0डी0

भवदीय,

(अतर सिंह)

संयुक्त सचिव

संख्या-319(1)/XXVIII-4/2016-61/2012T.C. तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. अनु सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली।
3. राज्य नोडल अधिकारी, आर0एस0बी0वाई0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन0एच0एम0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार, 23 लक्ष्मी रोड़, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. वरिष्ठ/मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/वित्त अनुभाग-1/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
9. चिकित्सा अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अतर सिंह)

संयुक्त सचिव